संसाधन प्रबंधन एवं डिज़ाइन अनुप्रयोग विभाग

वार्षिक रिपोर्ट (2025–2026)

संसाधन प्रबंधन एवं डिज़ाइन अनुप्रयोग (RMDA) विभाग, गृह विज्ञान के अंतर्गत एक विशेषज्ञता क्षेत्र के रूप में, संसाधनों के कुशल, नैतिक एवं सतत प्रबंधन हेतु ज्ञान, कौशल एवं मूल्यों के विकास के लिए समर्पित है। संसाधन प्रबंधन को डिज़ाइन अनुप्रयोगों के साथ एकीकृत करते हुए विभाग ऐसे कार्यात्मक, सौंदर्यपरक एवं सतत स्थानों, उत्पादों और सेवाओं में नवाचार को बढ़ावा देता है, जो कल्याण एवं जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाने में सहायक हों।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के अनुरूप, पाठ्यक्रम में अनुभवात्मक, अंतर्विषयक एवं कौशल-आधारित अधिगम पर विशेष बल दिया गया है। विद्यार्थियों को ग्रीन बिल्डिंग की अवधारणाओं, पुनर्चक्रण की प्रथाओं एवं वैकल्पिक ऊर्जा समाधानों से परिचित कराया जाता है, जिससे सतत विकास की उनकी समझ सुदृढ़ होती है। कार्यक्रम में संसाधन प्रबंधन, सतत डिज़ाइन, उपभोक्ता शिक्षा एवं उद्यमिता पर विशेष ध्यान दिया जाता है, जिससे विद्यार्थी सामाजिक, आर्थिक एवं पर्यावरणीय चुनौतियों का प्रभावी ढंग से सामना करने में सक्षम बन सकें।

विभाग विद्यार्थियों में आलोचनात्मक चिंतन, समस्या-समाधान एवं उत्तरदायी निर्णय लेने की क्षमता विकसित करने के साथ-साथ उद्यमशील सोच को भी प्रोत्साहित करता है। विद्यार्थियों को स्टार्ट-अप, सूक्ष्म उद्यम एवं सामाजिक रूप से प्रासंगिक उद्यम शुरू करने के लिए प्रेरित किया जाता है।

RMDA का उद्देश्य स्नातकों को ऐसे कुशल पेशेवरों, नवाचारी डिज़ाइनरों एवं सामाजिक रूप से उत्तरदायी उद्यमियों के रूप में सशक्त बनाना है, जो राष्ट्रीय एवं वैश्विक सतत विकास लक्ष्यों में सार्थक योगदान दे सकें तथा संतुलित, समानतापूर्ण एवं सतत जीवन गुणवत्ता को बढ़ावा दे सकें।

वर्ष 2025–26 के दौरान आयोजित प्रमुख गतिविधियाँ

● ‘शिल्डिंग आवर स्काई: ओज़ोन जागरूकता अभियान 2025’

ईको-क्लब ‘प्रकृतिक’ ने RMDA विभाग के सहयोग से सतत विकास एवं पारिस्थितिक जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रभावशाली गतिविधियों का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इसी क्रम में 16 सितंबर 2025 को ‘शिल्डिंग आवर स्काई: ओज़ोन जागरूकता अभियान 2025’ आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को ओज़ोन परत के महत्व एवं पृथ्वी पर जीवन को बनाए रखने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में जागरूक करना था।

कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों द्वारा ‘ओज़ोन परत के बिना पृथ्वी पर जीवन संभव नहीं’ विषय पर जागरूकता अभियान चलाया गया, जिसमें ओज़ोन परत के संरक्षण एवं पृथ्वी की सुरक्षा की तत्काल आवश्यकता पर बल दिया गया। प्रतिभागियों ने सामूहिक रूप से पर्यावरण संरक्षण की शपथ भी ली तथा अपने दैनिक जीवन में पर्यावरण-अनुकूल व्यवहार अपनाने का संकल्प किया।

इसके अतिरिक्त, पोस्टर-निर्माण गतिविधि का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने वृक्षारोपण, जीवाश्म ईंधन के उपयोग को कम करने तथा सतत एवं पर्यावरण-अनुकूल विकल्पों को अपनाने जैसे विषयों को रचनात्मक ढंग से प्रस्तुत किया। इस कार्यक्रम ने विद्यार्थियों में पर्यावरणीय उत्तरदायित्व की भावना को विकसित किया तथा उन्हें पृथ्वी और उसके वायुमंडल के संरक्षण में सक्रिय योगदान देने के लिए प्रेरित किया।

● ‘ORACLE-2026’ का आयोजन: एक शैक्षणिक उत्सव

RMDA विभाग द्वारा 23 फरवरी 2026 को अपने शैक्षणिक उत्सव ‘Oracle-2026’ का आयोजन किया गया। इस वर्ष के उत्सव की विषय-वस्तु थी—‘विचारों से प्रभाव तक: नवाचार, डिज़ाइन एवं उद्यम प्रबंधन में उभरते परिप्रेक्ष्य’।

यह शैक्षणिक उत्सव शैक्षणिक उत्कृष्टता, नवाचार एवं सहयोगात्मक अधिगम के लिए एक जीवंत मंच के रूप में उभरा। इसमें विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने एक साथ भाग लेते हुए उभरते विचारों, नवाचारों तथा परिवर्तनकारी दृष्टिकोणों पर विचार-विमर्श किया।

● **'स्टार्ट-अप, नवाचार एवं उद्यमिता' पर व्याख्यान**

विशिष्ट अतिथि डॉ. तारुणिका जैन अग्रवाल, फैकल्टी (फाइनेंस–फिनटेक), फैकल्टी ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज़, दिल्ली विश्वविद्यालय, ने *'स्टार्ट-अप, नवाचार एवं उद्यमिता'* विषय पर एक ज्ञानवर्धक एवं संवादात्मक सत्र प्रस्तुत किया।

सत्र में विद्यार्थियों को स्टार्ट-अप पारिस्थितिकी तंत्र, उभरती नवाचार प्रवृत्तियों एवं उद्यमिता की व्यावहारिक चुनौतियों से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई। डॉ. अग्रवाल ने वास्तविक जीवन के उदाहरण साझा किए तथा विद्यार्थियों को रचनात्मक ढंग से सोचने एवं सोच-समझकर जोखिम उठाने के लिए प्रेरित किया।

विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की, सत्र के दौरान सक्रिय संवाद किया तथा उद्यमशील गतिविधियों एवं नवाचार-आधारित करियर के प्रति गहरी रुचि व्यक्त की।

● **'सततता की ओर यात्रा: अतीत से सीख और वर्तमान के आयाम' पर व्याख्यान**

डॉ. कुषाग्र राजेंद्र ने 23 फरवरी 2026 को Oracle 2026 के दौरान इंस्टीट्यूट ऑफ होम इकोनॉमिक्स, दिल्ली विश्वविद्यालय के कॉन्फ्रेंस रूम में *'सततता की ओर यात्रा: अतीत से सीख और वर्तमान के आयाम'* विषय पर एक बौद्धिक रूप से समृद्ध एवं अत्यंत संवादात्मक व्याख्यान प्रस्तुत किया।

अपने व्याख्यान में उन्होंने सततता के ऐतिहासिक आधार से लेकर वर्तमान समय में इसकी प्रासंगिकता तक की यात्रा को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। उन्होंने नीति-निर्माण, उद्यम प्रबंधन एवं पर्यावरणीय शासन के संदर्भ में सतत विकास के विभिन्न आयामों पर प्रकाश डाला।

उन्होंने विशेष रूप से यह रेखांकित किया कि अतीत की प्रथाएँ एवं स्वदेशी ज्ञान प्रणालियाँ वर्तमान पर्यावरणीय एवं विकास संबंधी चुनौतियों के समाधान के लिए महत्वपूर्ण सीख प्रदान करती हैं। उत्तरदायी नेतृत्व, नैतिक निर्णय-निर्माण एवं समन्वित रणनीतिक दृष्टिकोण की आवश्यकता पर बल देते हुए उन्होंने विद्यार्थियों को सततता को केवल एक अवधारणा के रूप में नहीं, बल्कि नवाचार एवं दीर्घकालिक प्रभाव के लिए एक व्यावहारिक रूपरेखा के रूप में देखने के लिए प्रेरित किया।

यह व्याख्यान अत्यंत ज्ञानवर्धक रहा तथा इसने सार्थक संवाद को प्रोत्साहित किया। इससे विद्यार्थियों एवं प्रतिभागियों को वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में सतत विकास की व्यापक एवं गहन समझ प्राप्त हुई।

● **'ग्रीन गार्जियंस: एक पौधा अपनाएँ' पहल**

संसाधन प्रबंधन एवं डिज़ाइन अनुप्रयोग विभाग द्वारा 23 फरवरी 2025 को 'ग्रीन गार्जियंस: एक पौधा अपनाएँ' पहल का आयोजन किया गया, जिसका समन्वय सुश्री कविता सागर, सहायक प्रोफेसर द्वारा किया गया। यह कार्यक्रम विद्यार्थियों के नेतृत्व में संचालित एक सततता एवं पर्यावरण जागरूकता अभियान के रूप में आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों में पर्यावरणीय जागरूकता एवं उत्तरदायी हरित प्रथाओं को बढ़ावा देना था।

प्रतिभागियों ने सक्रिय रूप से पौधों को अपनाया, उन्हें नाम दिए, उनकी दैनिक देखभाल की तथा उनके विकास पर नियमित रूप से नज़र रखी। इस गतिविधि ने विद्यार्थियों में प्रकृति के प्रति उत्तरदायित्व एवं जवाबदेही की भावना को विकसित किया।

इस पहल का उद्देश्य परिसर में हरित क्षेत्र का विस्तार करना तथा विद्यार्थियों को ऐसे छोटे लेकिन सार्थक प्रयासों के लिए प्रेरित करना था, जो एक सतत एवं पर्यावरण-अनुकूल भविष्य के निर्माण में योगदान दे सकें। यह कार्यक्रम विद्यार्थियों की उत्साहपूर्ण सहभागिता के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

DEPARTMENT OF RESOURCE MANAGEMENT AND DESIGN APPLICATION

ANNUAL REPORT (2025-2026)

The Department of Resource Management and Design Application (RMDA), a specialization within Home Science, is dedicated to imparting knowledge, skills, and values for the efficient, ethical, and sustainable management of resources. By integrating resource management with design applications, the department promotes innovation in functional, aesthetic, and sustainable spaces, products, and services that enhance well-being and quality of life.

Aligned with NEP 2020, the curriculum emphasizes experiential, interdisciplinary, and skill-based learning. Students gain exposure to green building concepts, recycling practices, and alternative energy solutions, strengthening their understanding of sustainable development. The programme focuses on resource management, sustainable design, consumer education, and entrepreneurship, enabling students to address social, economic, and environmental challenges effectively.

The department nurtures critical thinking, problem-solving, and responsible decision-making while fostering entrepreneurial thinking. Students are encouraged to initiate start-ups, micro-enterprises, and socially relevant ventures.

RMDA aims to empower graduates to become competent professionals, innovative designers, and socially responsible entrepreneurs who contribute meaningfully to national and global sustainable development goals, promoting a balanced, equitable, and sustainable quality of life.

Major activities conducted during the year 2025-26:

- **SHIELDING OUR SKY: OZONE AWARENESS DRIVE 2025**

  The Eco-Club Prakritik in collaboration with the Department of RMDA successfully organized impactful initiatives aimed at promoting sustainability and ecological awareness. As part of these efforts, the club conducted “Shielding Our Sky: Ozone Awareness Drive 2025” on 16 September 2025, focusing on educating students about the importance of the ozone layer and its role in sustaining life on Earth. The programme featured an awareness campaign titled “No Life on Earth Without the Ozone Layer,” led by students to emphasize the urgent need to protect the ozone layer and safeguard the planet. A collective environmental pledge was also undertaken, encouraging participants to adopt eco-friendly practices in their daily lives.

  In addition, a poster-making activity was organized, where students creatively highlighted themes such as planting trees, reducing the use of fossil fuels, and choosing sustainable, eco-friendly alternatives. The event fostered environmental responsibility and inspired students to actively contribute toward protecting the Earth and its atmosphere.

- **CELEBRATION OF ORACLE-2026: AN ACADEMIC FESTIVAL**

  The Department of RMDA celebrated Oracle-2026, its academic festival, on 23 February 2026, with the theme “From Ideas to Impact: Emerging Perspectives in Innovation, Design & Enterprise Management.” The festival served as a vibrant platform for academic excellence, innovation, and collaborative learning, bringing together students and faculty to explore emerging ideas and transformative perspectives.

- **LECTURE ON STARTUPS, INNOVATION AND ENTREPRENEURSHIP**

The Guest of Honour, Dr Tarunika Jain Agarwal, Faculty (Finance–FinTech), Faculty of Management Studies, University of Delhi, delivered an engaging session on "Startups, Innovation and Entrepreneurship." The session provided valuable insights into the startup ecosystem, emerging innovation trends, and the practical challenges of entrepreneurship. Dr Agarwal shared real-world examples and encouraged students to think creatively and embrace calculated risks. Students participated enthusiastically, actively interacting during the session and expressing keen interest in entrepreneurial ventures and innovation-driven careers.

- **LECTURE ON 'ROAD TO SUSTAINABILITY: PAST LESSONS AND PRESENT DIMENSIONS'**

Dr. Kushagra Rajendra, delivered an intellectually enriching and deeply engaging lecture titled "Road to Sustainability: Past Lessons and Present Dimensions" during Oracle 2026 on 23rd February 2026 at the Conference Room, Institute of Home Economics, University of Delhi. In his session, he eloquently traced the evolution of sustainability from its historical foundations to its contemporary relevance in policy, enterprise management, and environmental governance. He thoughtfully highlighted how past practices and indigenous knowledge systems offer valuable lessons for addressing present-day ecological and developmental challenges. Emphasizing the need for responsible leadership, ethical decision-making, and integrated strategic approaches, he inspired students to view sustainability not merely as a concept but as a practical framework for innovation and long-term impact. The lecture was highly insightful, stimulating meaningful dialogue and leaving the audience with a broader and more nuanced understanding of sustainable development in today's dynamic global context.

- **GUARDIANS: ADOPT-A-PLANT INITIATIVE**

The Department of Resource Management and Design Application organized the "Green Guardians: Adopt-a-Plant Initiative" on 23rd February 2025, which was coordinated by Ms. Kavita Sagar, Assistant Professor. The programme was conducted as a student-led sustainability drive to promote environmental awareness and encourage responsible green practices among students. Participants actively adopted plants, named them, cared for them daily, and tracked their growth, fostering a sense of accountability towards nature. The initiative aimed to enhance green cover on campus and inspire small yet meaningful actions for building a sustainable and eco-friendly future. The event was successfully conducted with enthusiastic participation from students.